



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्रार्थिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 121]

नई दिल्ली, बुधवार, मार्च 1, 1995/फाल्गुन 10, 1917

No. 121]

NEW DELHI, WEDNESDAY, MARCH 1, 1995/PHALGUNA 10, 1917

वाणिज्य मंत्रालय

अधियुक्तता सं. 53/(आर ई)/92-97

नई दिल्ली, 1 मार्च, 1995

सं. आ. 130(अ):—इंजीनियरी उत्पादों के लिए 1-4-1994 में अन्तर्राष्ट्रीय मूल्य प्रतिपूर्ति स्कीम वापस लेने के बाद ऐसे उत्पादों के निर्यातक, इंजीनियरी उत्पादों का निर्यात करना बनाने के लिए, स्वदेशीय इस्पात उत्पादकों से लगभग अन्तर्राष्ट्रीय मूल्यों पर लोह एवं स्टील मध्यस्थ निवेश उपलब्ध कराने के लिए एक वैकल्पिक स्कीम बनाने के लिए आवेदन कर रहे हैं। तदनुसार एक स्कीम बनाई गई है जिसके अनुसार इस्पात उत्पादक लोह एवं इस्पात मध्यस्थों की आपूर्ति यथासंभव, अन्तर्राष्ट्रीय मूल्यों पर करने का प्रयास करेंगे।

निर्यात एवं आयात नीति 1992-97 के पैरा 53 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए महानिदेशक विदेश व्यापार एतद्वारा स्कीम का ब्यौरा निम्नानुसार अधिसूचित करते हैं,

1. इस स्कीम को इंजीनियरी उत्पाद निर्यात (लोह एवं इस्पात मध्यस्थों की पुनः पूर्ति) स्कीम कहा जाएगा।

2. यह स्कीम दो भागों : भाग "क" एवं भाग "ख" में होगी। भाग क उस इस्पात उत्पादक पर लागू होगा जो इंजीनियरी उत्पादों के निर्यात को इस्पात मध्यस्थों की आपूर्ति करने के बाद और गिलीज एडवाइस की क्षमता पर मूल्य आधारित मध्यस्थ लाइसेंस के लिए आवेदन करता है। भाग ख उस इस्पात उत्पादक पर लागू होगा जो उत्पादन कार्यक्रम के आधार पर मूल्य आधारित मध्यस्थ लाइसेंस के लिए आवेदन करता है तथा भविष्य में इंजीनियरी उत्पादों के निर्यातकों को लोह एवं इस्पात की आपूर्ति करके निर्यात दायित्व पूरा करने का वचन देता है।

भाग-क

- (1) यह स्कीम उन इंजीनियरी उत्पादों पर लागू होगी उनके लिए मात्रा आधारित निवेश—उत्पादन मानदण्ड प्रकाशित किए गए हैं और जो समय-समय पर यथा-संगोधित प्रक्रिया पुस्तक खण्ड-2 (संगोधित संस्करण) में शामिल हैं।
- (2) इंजीनियरी उत्पादों के निर्यातक जिस पर यह स्कीम लागू होती है वह लोह एवं इस्पात मध्यस्थों की अपनी आवश्यकता किसी भी इस्पात के उत्पादक से पूरी कर सकता है।

- (3) इंजीनियरिंग उत्पादों का निर्यातक योजना के अधीन लाभों को प्राप्त करने के योग्य होगा, अर्थात् कि उसने ये लाभ प्राप्त न किए हों :
- (क) शुल्क वापसी/शुल्क छूट योजना के अंतर्गत ऐसे निर्यातों के संबंध में कोई लाभ
- (ख) केन्द्रीय उत्पाद नियमावली, 1944 के नियम 192क के 191क नियम अथवा केन्द्रीय नियमावली उत्पाद, 1944 को नियम 12(1)(ख) या नियम 13(1)(ख) का कोई लाभ अथवा
- (ग) ऐसे लोहा अथवा इस्पात मध्यस्थों के संबंध में केन्द्रीय उत्पाद नियमावली, 1944 का नियम 56क या नियम 57क के अंतर्गत कोई निवेश स्तर श्रृण ।
- (4) निर्यात उत्पादों में उसके द्वारा प्रयुक्त लोहे और इस्पात को खरीदने के लिए निर्यातक रिलीज एडवाइज के लिए निर्धारित फार्म में लाइसेंसिंग प्राधिकारी को आवेदन करेगा ।
- (5) ऐसे आवेदन पत्र की रसीद पर लाइसेंसिंग प्राधिकारी ऐसे लोहा तथा इस्पात मध्यस्थों और ऐसे मूल्य के लिए जैसा कि रिलीज आदेश में अलग-अलग उल्लिखित हो, रिलीज एडवाइज की अनुमति देगा । संबंधित इंजीनियरिंग उत्पादों के लिए निर्धारित निवेश/उत्पाद मानदण्डों को ध्यान में रखते हुए मूल्य निर्धारित किया जाएगा ।
- (6) यदि इंजीनियरिंग उत्पादों का निर्यातक कोई कच्चा माल या लोहा तथा इस्पात मध्यस्थों को छोड़कर कोई अन्य मध्यस्थ को प्रयोग में लाता है, तो वह अन्य कच्चे माल तथा मध्यस्थों के संबंध में नीति के पैरा 7 में निहित के अनुसार शुल्क छूट योजना के अंतर्गत मिलने वाले लाभों के लिए आवेदन कर सकता है ।
- (7) योजना के अंतर्गत इंजीनियरिंग उत्पादों का निर्यातक लोहा तथा इस्पात मध्यस्थों को छोड़कर निवेश पर दिए गए शुल्क के संबंध में शुल्क वापसी के सभी उद्योग वर को प्राप्त कर सकता है, जहां कहीं स्वीकृत हो ।
- (8) इस्पात का उत्पादक उसे दिए गए रिलीज एडवाइस या एडवाइसेज के आधार पर इंजीनियरिंग उत्पादों के निर्यातक को लोहा तथा इस्पात मध्यस्थों की सप्लाई के लिए हकदार होगा ।
- (9) इस्पात का उत्पादक, उसे दिए गए एक या उससे अधिक रिलीज एडवाइस के आधार पर मूल्य आधारित अग्रिम मध्यस्थ लाइसेंस की मंजूरी के लिए लाइसेंसिंग प्राधिकारी को निर्धारित फार्म में आवेदन कर सकता है ।
- (10) इस्पात का उत्पादक ये लाभ प्राप्त नहीं करेगा, इंजीनियरिंग उत्पादों के निर्यातक को उसके द्वारा सप्लाई किए गए लोहे और इस्पात मध्यस्थों इस्तेमाल होने वाले किन्हीं निवेशों के मामले में केन्द्रीय उत्पाद नियमावली, 1944 के नियम 57क के अंतर्गत कोई निवेश स्तर श्रृण ।
- (11) मूल्य आधारित अग्रिम मध्यस्थ लाइसेंस, संबंधित लोहे और इस्पात मध्यस्थों के लिए अलग-अलग उल्लिखित निवेश/उत्पादन मानदण्डों के अनुसार जारी किए जाएंगे ।
- (12) इस्पात का उत्पादक उसके द्वारा सप्लाई किए गए लोहे और इस्पात मध्यस्थ के मामले में नीति के पैराग्राफ 122(घ) के अंतर्गत लाभों के लिए पात्र नहीं होगा ।
- (13) स्कीम के अंतर्गत नीति और प्रक्रिया पुस्तक के सभी प्रावधान उपयुक्त संशोधन के साथ तथा जहां तक वे लागू हैं, इंजीनियरिंग उत्पादों के निर्यातक तथा इस्पात के उत्पादक पर लागू होंगे ।
- (14) ऊपर दिए हुए के बावजूद भी इंजीनियरिंग उत्पाद का निर्यातक इस स्कीम के लाभों को उठाए बिना भी नीति के अध्याय-7 में दी गई शुल्क मुक्त स्कीम के लाभों के लिए आवेदन कर सकता है ।

भाग-ख

- (1) स्टील के उत्पादक प्रक्रिया पुस्तक के अध्याय-7 और नीति के अध्याय-7 में दिए गए सभी प्रावधानों जो कि आवश्यक आशोधन की शर्तों के अनुसार मूल्य पर आधारित अग्रिम मध्यस्थ लाइसेंस के लिए आवेदन कर सकते हैं ।
- (2) लाइसेंसिंग प्राधिकारी आवेदक को एक या अधिक मूल्य पर आधारित अग्रिम मध्यस्थ लाइसेंस जारी कर सकता है जो कि इस शर्त पर होगा कि किसी वर्ष में प्रदत्त लाइसेंसों का औसत मूल्य आवेदक द्वारा पिछले वर्ष में निर्मित लोहे और स्टील उत्पाद के कुल मूल्य के 10% (प्रतिशत) से अधिक न हो ।
3. मूल्य पर आधारित अग्रिम मध्यस्थ लाइसेंस के निर्यात आभार को चुकाने के उद्देश्य के लिए स्टील के उत्पादक केवल इंजीनियरी उत्पादों के निर्यातकों को रिलीज एडवाइज के एवज में स्टील इन्टरमीडियेटों और लोहे की ही आपूर्ति करें और लाइसेंसिंग प्राधिकारी द्वारा ऊपर दिए गए इंजीनियरी उत्पादों के निर्यातक के पक्ष में ही जारी करें ।
4. स्टील के उत्पादक इंजीनियरी उत्पादों के निर्यातकों को ही लोहा और स्टील की आपूर्ति उन्हीं मूल्यों पर करें जो कि अन्तर्राष्ट्रीय मूल्यों के तुलनात्मक हों ।

इसे लोकहित में जारी किया जा रहा है।

[फाईल सं. 3/117/93-आई पी सी-2]

ह./-

प्रियमल घोष, महानिदेशक विदेश व्यापार
और पदेन भारत सरकार के अपर सचिव

MINISTRY OF COMMERCE

NOTIFICATION NO. 53|(RE)|92—97

New Delhi, the 1st March, 1995

S.O. 130(E).—Following the withdrawal of the International Price Reimbursement Scheme for engineering products from 01-04-1994, exporters of such products have been representing for formulation of an alternative scheme for sourcing iron and steel intermediate inputs at near-international prices from indigenous steel producers for facilitating the export of engineering products. Accordingly a Scheme has now been formulated wherein the steel producers would endeavour to supply iron and steel intermediates at, as far as possible, international prices.

In exercise of the powers conferred under Paragraph 53 of the Export and Import Policy 1992—97 the Director General of Foreign Trade hereby notifies the details of the Scheme as under :

1. The Scheme shall be called Engineering Products Export (Replenishment of Iron and Steel Intermediates) Scheme.
2. The Scheme shall be in two parts : Part A & Part B. Part A shall apply to a producer of steel who intends to apply for a Value Based Advance Intermediate Licence after supplying iron and steel intermediates to an exporter of engineering products on the strength of a Release Advice. Part B shall apply to a producer of steel who intends to apply for a Value Based Advance Intermediate Licence on the basis of a production programme and undertakes to discharge the export obligation by supplying, in the future, iron and steel intermediates to exporters of engineering products.

PART A

- (i) The Scheme shall be applicable to those engineering products for which quantity based input-output norms have been published and are contained in the Handbook of Procedures Vol. II (Revised Edition March, 1994) as amended from time to time.

- (ii) An exporter of engineering products, to which the Scheme applies, may purchase his requirement of iron and steel intermediates from any producer of steel.
- (iii) An exporter of engineering products shall be eligible to the benefits under the scheme, provided he produces evidence that he has not availed of :—
 - (a) any benefit in respect of such exports under Duty Drawback/Duty Exemption Scheme;
 - (b) any benefit of Rule 191A or Rule 191B of the Central Excise Rules 1944 or of Rule 12(1)(b) or Rule 13(1)(b) of the Central Excise Rules, 1944; or
 - (c) any input stage credit under Rule 56A or Rule 57A of Central Excise Rules 1944 in respect of such iron and steel intermediates.
- (iv) After export of the engineering products, the exporter may apply to the licensing authority in the prescribed form for a Release Advice for the purchase of the iron and steel intermediates used by him in the export products.
- (v) On receipt of such application the licensing authority may grant a Release Advice for such iron and steel intermediates and for such value as may be specified in the Release Advice. The value shall be determined having regard to the input/output norms specified for the engineering products concerned.
- (vi) If the exporter of the engineering products uses any raw materials or any intermediates other than the iron and steel intermediates, he may apply for the benefits under the Duty Exemption Scheme as contained in Chapter VII of the Policy in respect of the other raw materials and intermediates.
- (vii) An exporter of engineering products under the scheme may avail of the all-industry rate of duty drawback in respect of duties paid on inputs other than iron and steel intermediates, wherever admissible.
- (viii) A producer of steel shall supply iron and steel intermediates to an exporter of engineering products only on the strength of Release Advice or Advices deposited with him.
- (ix) A producer of steel may apply in the prescribed form to the licensing authority for grant of a Value Based Advance

Intermediate Licence on the strength of one or more Release Advices deposited with him.

- (x) The producer of steel shall not avail of any input stage credit under rule 57A of the Central Excise Rules, 1944 in respect of any input used in the manufacture of iron and steel intermediates supplied by him to the exporter of engineering products.
- (xi) The Value Based Advance Intermediate Licence shall be issued in accordance with the input/output norms specified for the iron and steel intermediates concerned.
- (xii) A producer of steel shall not be eligible for the benefits under paragraph 122(d) of the Policy in respect of the iron and steel intermediates supplied by him.
- (xiii) All the provisions of the Policy and the Handbook of Procedures shall, so far they are applicable and with suitable modifications, apply to the exporter of engineering products and the producer of steel under the Scheme.
- (xiv) Notwithstanding anything contained hereinabove, an exporter of engineering goods may, without availing of the benefits of this Scheme, apply for the benefits under the Duty Exemption Scheme as contained in Chapter VII of the Policy.

PART B-

- (i) A producer of steel may apply for a Value Based Advance Intermediate Licence and

all the provisions of Chapter VII of the Policy and Chapter VII of the Handbook of Procedures, subject to necessary modifications, shall apply.

- (ii) The Licensing authority may grant one or more Value Based Advance Intermediate licences to the applicant, subject to the condition that the aggregate value of the licences granted in any year shall not exceed 10 per cent of the total value of iron and steel goods produced by the applicant in the preceding year.
- (iii) For the purpose of discharging the export obligation under the Value Based Advance Intermediate Licence, the producer of steel shall supply iron and steel intermediates only to exporters of engineering products against Release Advices issued by the licensing authority in favour of the said exporters.
- (iv) The producer of steel shall endeavour to supply iron and steel intermediates to the exporter of engineering products at prices which are comparable to the international prices.

This issues in public interest.

[File No. 3/117/93-IPC-III]

SHYAMAL GHOSH, Director General of
Foreign Trade and Ex-Officio
Addl. Secy.

P. VENKATESAN, Jt. Director General
of Foreign Trade